Q.1) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

क्षेत्रीय संगीत	क्षेत्र या राज्य
1. छकरी (Chhakri)	कश्मीर
2. लमन (Laman)	उत्तराखंड
3. पंडवानी	छत्तीसगढ़

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.1) Solution (c)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
सत्य	**असत्य**	**सत्य**
छकरी, कश्मीर: छकरी एक समूह गीत है जो कश्मीर के लोक संगीत की एक सर्वाधिक लोकप्रिय शैली है। यह नूत (मिट्टी का बर्तन), रबाब, सांरगी आरैर तुम्बाकनरी (ऊँची गर्दन वाला मिट्टी का एक बर्तन), के साथ गाया जाता है । 	लमन, हिमाचल प्रदेश: 'लमन'में बालिकाओं का एक समूह, एक छन्द गाता है और लड़कों का एक समूह गीत के जरिए उत्तर देता है । यह घन्टों तक चलता है । यह रुचिकर इसलिए है कि इसमें लड़कियां पहाड़ की चोटी पर गाते हुए शायद ही दूसरी चोटी पर गाने वाले लड़कों का मुख देखती हैं । बीच में पहाड़ होता है जहाँ प्रेम गीत गूँजता है । इनमें से अधिकांश गीत विशेष रूप से कुल्लू घाटी में गाए जाते हैं ।	पंडवानी, छत्तीसगढ़: पंडवानी में, महाभारत से एक या दो घटनाओं को चुन कर कथा के रूप में निष्पादित किया जाता है । मुख्य गायक पूरे निष्पादन के दौरान सतत रूप से बैठा रहता है और सशक्त गायन व सांकेतिक भंगिभाओं के साथ एक के बाद एक सभी चरित्रों की भाव-भंगिमाओं का अभिनय करता है । 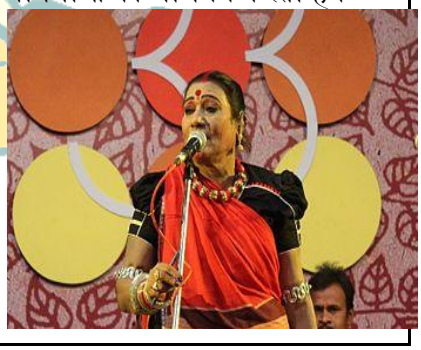

Q.2) निम्नलिखित पर विचार करें:

1. जवाली (Javali)
2. टप्पा

3. धामर (Dhamar)
4. कीर्तनम (Kirtanam)
5. तिल्लना (Tillana)

उपरोक्त में से कौन से रूप कर्नाटक संगीत के हैं?

a) केवल 1, 2 और 3
b) केवल 1, 4 और 5
c) केवल 2, 3 और 4
d) केवल 3, 4 और 5

Q.2) Solution (b)

कर्नाटक संगीत के संगीत रूप (Musical forms of Carnatic Music):

- गीतम (Gitam): यह राग के आसान और मधुर प्रवाह के साथ सबसे सरल प्रकार की रचना है।
- सुलाड़ी (Suladi): सुलाड़ी एक तालमालिका है, जो अलग-अलग ताल में होने वाले खंड होते हैं।
- स्वराजति (Svarajati): इसमें तीन खंड होते हैं, जिन्हें पल्लवी, अनुपल्लवी और चरणम कहा जाता है। विषय या तो भक्तिपूर्ण है, वीर या अमोघ होते हैं।
- जतिसावरम (Jatisavaram): यह लयबद्ध उत्कृष्टता और जाति पैटर्न के उपयोग के लिए जाना जाता है।
- वर्णम (Varnam): यह एकमात्र रूप है जिसका हिंदुस्तानी संगीत में एक समकक्ष नहीं मिलता है। इस रूप को वर्णम कहा जाता है क्योंकि प्राचीन संगीत में 'वर्ण' नामक स्वर समूह के कई पैटर्न इसकी बनावट में परस्पर जुड़े हुए हैं।
- कीर्तनम (Kirtanam): यह भक्ति सामग्री या साहित्य के भक्ति भाव के लिए मूल्यवान है।
- कृति (Kriti): यह कीर्तनम से विकसित हुई। यह एक अत्यधिक विकसित संगीत रूप है।
- पडा (Pada): पडा तेलगु और तमिल में विद्वानों की रचनाएँ हैं और मुख्य रूप से नृत्य के रूप में रचित हैं।
- तिल्लना (Tillana): यह हिंदुस्तानी संगीत के तराना के अनुरूप है, एक छोटा और संक्षिप्त रूप है। यह मुख्य रूप से, इसके तेज और आकर्षक संगीत के कारण एक नृत्य शैली है।
- जवाली (Javali): एक जावली प्रकाश शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र से संबंधित एक रचना है। कॉन्सर्ट कार्यक्रमों और नृत्य संगीत समारोहों में गाया जाता है, जावालियों को आकर्षक धुनों के कारण लोकप्रिय बनाया जाता है जिसमें वे संगीतबद्ध होते हैं।
- पल्लवी (Pallav): यह रचनात्मक संगीत की सबसे महत्वपूर्ण शाखा है। यह उन्नत करने की व्यवस्था की अनुमति देता है।

- हिंदुस्तानी संगीत में ध्रुपद, ख्याल, टप्पा, चतुरंग, तराना, सरगम, ठुमरी और रागसागर, होरी और धामर जैसे गायन की दस प्रमुख शैलियाँ हैं।

Q.3) कुटियाट्टम कला के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

1. यह केरल का एक पारंपरिक संस्कृत प्रदर्शन कला नृत्य है।
2. कुटियाट्टम में नांगियार कुथु, पुरुष प्रदर्शन का एकल खंड है।
3. इसे यूनेस्को ने 'मानवता की मौखिक और अमूर्त विरासत की उत्कृष्ट कृति' के रूप में मान्यता दी है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 3
d) 1, 2 और 3

Q.3) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य
कुटियाट्टम केरल के सबसे पुराने पारंपरिक थिएटर रूपों में से एक है तथा यह संस्कृत रंगमंच परंपराओं पर आधारित है। इसकी शैलीबद्ध और संहिताबद्ध रंगमंचीय भाषा में, नेत्र अभिनय (आंख की अभिव्यक्ति) और हस्स अभिनय (इशारों की भाषा) प्रमुख हैं। वे मुख्य चरित्र के विचारों और भावनाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं।	यह पारंपरिक रूप से कुट्टमपालम नामक सिनेमाघरों में किया जाता है, जो हिंदू मंदिरों में स्थित होते हैं। कुटियाट्टम का प्रदर्शन पुरुष अभिनेताओं के समुदाय द्वारा किया जाता है, जिन्हें चकयार कहा जाता है और महिला कलाकारों को नांगियार कहा जाता है, जिन्हें नंबियार नामक ड्रमर द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। पकरनट्टम कुटियट्टम का एक पहलू है जिसमें पुरुष और महिला भूमिकाओं को शामिल करना तथा भावनात्मक रूप से शामिल करना शामिल है। कुटियाट्टम में नांगियार कुथु महिला प्रदर्शन का एकल खंड है।	इसे यूनेस्को ने 'मानवता की मौखिक और अमूर्त विरासत की उत्कृष्ट कृति' के रूप में मान्यता दी है।

Q.4) निम्नलिखित कैलेंडर प्रकारों पर विचार करें:

1. विक्रम संवत
2. शक संवत
3. हिजरी कैलेंडर
4. ग्रेगोरियन कैलेंडर

इनमें से कौन से कैलेंडर, सौर कैलेंडर हैं?

a) केवल 2 और 4
b) केवल 1 और 3
c) केवल 3, 2 और 4
d) केवल 1, 2 और 4

Q.4) Solution (a)

भारत में, चार प्रकार के कैलेंडर का पालन किया जाता है:

- **विक्रम संवत:** विक्रम युग ईसाई युग से 56 वर्ष पहले आरंभ हुआ था, यानी लगभग 56 ईसा पूर्व और बंगाल के क्षेत्र को छोड़कर लगभग पूरे भारत में लागू है। इतिहासकारों का मानना है कि यह युग उज्जैन के राजा विक्रमादित्य द्वारा स्थापित किया गया था, जो शक शासकों पर अपनी जीत का स्मरण करते हैं। यह प्राचीन हिंदू कैलेंडर पर आधारित एक चंद्र कैलेंडर है।
- **शक संवत:** इस कैलेंडर रूप की शुरुआत राजा शालिवाहन ने 78 ईस्वी में की थी। यह शक युग के रूप में भी जाना जाता था क्योंकि यह इस जनजाति का था, जिससे शालिवाहन संबंध रखता था। शक कैलेंडर चंद्र महीने और सौर वर्ष के साथ **चंद्र-सौर (Luni-solar)** है।
- **हिजरी कैलेंडर:** इस कैलेंडर में अरबी मूल है। पहले इसे आमुलफ़ील के रूप में कहा जाता है, यह पैगंबर मोहम्मद की मृत्यु के बाद, इनकी हिजरत मक्का से मदीना में को मनाने के लिए, जो उनके जीवन के 52 वें वर्ष में 622 ईस्वी में हुआ था, हिजरी आरंभ हुआ, यह वर्ष हिजरी युग के लिए शून्य वर्ष बन गया। इस कैलेंडर के अंतर्गत एक चंद्र वर्ष है और इसे 12 महीनों में विभाजित किया जाता है, एक वर्ष में 354 दिन।
- **ग्रेगोरियन कैलेंडर:** यह कैलेंडर ईसाई धर्म के संस्थापक ईसा मसीह के जन्मदिन पर आधारित है। यह जनवरी के पहले दिन से शुरू होने वाला एक सौर वर्ष है और इसमें 365 दिन, 5 घंटे, 48 मिनट और 46 सेकंड शामिल हैं।

Q.5) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

ब्लॉक प्रिंटिंग तकनीक (*Block Printing Techniques*)	**धरोहर**
1. बगरू (Bagru)	राजस्थान
2. बाघ (Bagh)	मध्य प्रदेश
3. अजरख (Ajrakh)	महाराष्ट्र

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.5) Solution (a)

युग्म 1	**युग्म 2**	**युग्म 3**
सत्य	**सत्य**	**असत्य**

बगरू ब्लॉक प्रिंटिंग राजस्थान के बगरू गांव में चिप्पा समुदाय द्वारा किए गए प्राकृतिक रंग के साथ मुद्रण की एक पारंपरिक तकनीक है। परंपरागत रूप से, बगरू में मुद्रित रूपांकनों को बोल्ड लाइनों के साथ बड़ा किया जाता है।	बाघ प्रिंट एक पारंपरिक भारतीय हस्तशिल्प है जो मध्य प्रदेश के धार जिले के बाघ में उत्पन्न होता है। इस प्रक्रिया में हाथ से मुद्रित लकड़ी के ब्लॉक रिलीफ प्रिंट की विशेषता होती है जो प्राकृतिक रूप से पिग्मेंट और डाई के साथ होता है।	अजरख एक ब्लॉक-प्रिंटेड टेक्सटाइल है जो नील (indigo) और मजीठ (madder) सहित प्राकृतिक रंगों का उपयोग करते हुए रंगे हुए है। यह गुजरात के कच्छ में खत्री समुदाय द्वारा बनाया गया है तथा इसके रंग- लाल के साथ नीला - और इसके जटिल ज्यामितीय और पुष्प पैटर्न द्वारा प्रतिष्ठित है।

Q.6) विभिन्न भाषाओं में महिला लेखकों के योगदान पर, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. लाल देद, संस्कृत में 'वत्सुन या वक्ष' नामक रहस्यवादी कविता की शैली की निर्माता थीं।
2. मीरा बाई ने तीन भाषाओं यानी गुजराती, राजस्थानी और हिंदी में लिखा।
3. अक्कामहादेवी (Akkamahadevi) ने कन्नड़ में लिखा तथा अव्वाईयर (Avvayyar) ने तेलुगु में लिखा।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.6) Solution (b)

- उस अवधि के दौरान विभिन्न भाषाओं में महिला लेखकों का योगदान विशेष ध्यान देने योग्य है। महिला लेखक, घोषा, लोपामुद्रा, गार्गी, मैत्रेयी, अपाला, रोमाशा ब्रह्मवादिनी, आदि, वेदों के दिनों से ही (6000 ई.पू. - 4000 ई.पू.), मुख्यधारा की संस्कृत साहित्य में महिलाओं की छवि पर केंद्रित थीं।
- पाली में मुत्ता और उबबिरि और मेट्रिका जैसे बौद्ध भिक्षुणी (6 ठी शताब्दी ई.पू.) के गीत पीछे छूट गए जीवन के लिए भावनाओं की पीड़ा को व्यक्त करते हैं। अलवर की महिला कवियों (6 वीं शताब्दी ई.) ने अंडाल और अन्य की तरह, परमात्मा के प्रति अपने प्रेम की अभिव्यक्ति दी।
- **लाल देद (1320-1384),** कश्मीर की मुस्लिम कवयित्री, वत्सुन या वक्ष नामक रहस्यवादी काव्य की शैली की रचनाकार थीं, जिसका शाब्दिक अर्थ "वाक्" (आवाज) है। लाल वक्ष के रूप में विख्यात, उनके छंद कश्मीरी भाषा की शुरुआती रचनाएँ हैं तथा आधुनिक कश्मीरी साहित्य के इतिहास में एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इसलिए कथन 1 गलत है।

- मीरा बाई, गुजराती, राजस्थानी और हिंदी में (उन्होंने तीन भाषाओं में लिखीं), तमिल में अववयार, और कन्नड़ में अक्कामहादेवी, अपनी सरल गीतात्मक तीव्रता और केंद्रित भावनात्मक अपील के लिए जानी जाती हैं। कथन 3 गलत है क्योंकि अववयार ने तमिल साहित्य में योगदान दिया।

Q.7) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. हिंदुस्तानी संगीत की उत्पत्ति वैदिक काल में हुई, जबकि कर्नाटक संगीत की उत्पत्ति भक्ति आंदोलन के दौरान हुई।
2. हिंदुस्तानी संगीत राग-आधारित (raga based) है जबकि कर्नाटक संगीत कृति- आधारित (kriti-based) है।
3. हिंदुस्तानी संगीत में समरूपता (homogenous) है तथा कर्नाटक संगीत में एक विषम (heterogeneous) भारतीय परंपरा है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 1 और 2
d) 1, 2 और 3

Q.7) Solution (c)

कर्नाटक और हिंदुस्तानी संगीत के बीच अंतर

- कर्नाटक संगीत की उत्पत्ति दक्षिण भारत में हुई जबकि हिंदुस्तानी संगीत उत्तर भारत में। हिंदुस्तानी संगीत की उत्पत्ति वैदिक काल में हुई, जबकि कर्नाटक संगीत की उत्पत्ति भक्ति आंदोलन के दौरान हुई। इस प्रकार दोनों का धर्म से बड़ा संबंध है।
- हिंदुस्तानी संगीत राग आधारित है जबकि कर्नाटक कृति-आधारित है। हिन्दुस्तानी शुद्ध स्वर बनाम कर्नाटक गमका आधारित रागों पर जोर देते हैं।
- यह माना जाता है कि 13 वीं शताब्दी से पहले भारत का संगीत कमोबेश एक समान था। हिंदुस्तानी वैदिक, इस्लामी और फारसी परंपराओं के साथ संश्लेषण करता है। कर्नाटक तुलनात्मक रूप से अछूता और मूल रूप से विकसित है।
- कर्नाटक संगीत में समरूपता है और हिंदुस्तानी संगीत में एक विषम भारतीय परंपरा है। इसलिए कथन 3 गलत है।
- कर्नाटक संगीत में अधिक धर्मनिरपेक्ष हिंदुस्तानी परंपराओं की तुलना में संयमित और बौद्धिक चरित्र है।

Q.8) भारत में किसी भाषा को 'शास्त्रीय भाषा' घोषित करने के लिए, निम्नलिखित में से कौन सा मापदंड पूरा करना होता है?

1. इसने 2500 वर्षों की अवधि का इतिहास दर्ज किया हो।
2. साहित्यिक परंपरा मूल होनी चाहिए तथा दूसरे भाषाई समुदाय से उधार नहीं ली गयी होनी चाहिए।
3. इसके प्राचीन ग्रंथ बोलने वालों की पीढ़ियों द्वारा एक मूल्यवान विरासत माने जाते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.8) Solution (c)

- संस्कृति मंत्रालय के अनुसार, शास्त्रीय भाषा के रूप में वर्गीकरण के लिए विचार की जाने वाली भाषाओं की पात्रता निर्धारित करने के लिए निम्नलिखित मानदंड निर्धारित किए गए थे:
    - 1500-2000 वर्षों की अवधि में इसके प्रारंभिक ग्रंथों / दर्ज इतिहास की उच्च प्राचीनता; इसलिए कथन 1 गलत है।
    - प्राचीन साहित्य / ग्रंथों का एक निकाय, जिसे बोलने वालों की पीढ़ियों द्वारा एक मूल्यवान विरासत माना जाता है;
    - साहित्यिक परंपरा मूल है और दूसरे भाषण समुदाय से उधार नहीं ली गई है;
    - शास्त्रीय भाषा और साहित्य आधुनिक से अलग होने के कारण, शास्त्रीय भाषा और इसके बाद के रूपों या इसके दोषों के बीच एक असंतोष भी हो सकता है। ”
- शास्त्रीय भाषा में अर्जित लाभ हैं:
    - शास्त्रीय भाषाओं में अध्ययन के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया गया है।
    - विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) इन भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान परियोजनाओं को पुरस्कृत करता है तथा केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शास्त्रीय भाषाओं के लिए एक निश्चित संख्या में प्राध्यापक नियुक्त करता है।
    - शास्त्रीय भारतीय भाषाओं में प्रख्यात विद्वानों के लिए दो प्रमुख वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार दिए जाते हैं।
- वर्तमान में, छह भाषाओं को 'शास्त्रीय' स्थिति का आनंद मिलता है: तमिल (2004 में घोषित), संस्कृत (2005), कन्नड़ (2008), तेलुगु (2008), मलयालम (2013) और ओडिया (2014)।

Q.9) निम्नलिखित में से किस शास्त्रीय नृत्य को 'गतिशील मूर्तिकला' (Mobile Sculpture) के नाम से भी जाना जाता है?

a) कुचिपुड़ी
b) ओडिसी
c) कथकली
d) सत्रिया नृत्य

Q.9) Solution (b)

- उदयगिरि-खंडगिरि की गुफाएँ ओडिसी नृत्य के आरंभिक उदाहरण हैं। नृत्य रूप का नाम नाट्य शास्त्र में उल्लिखित 'ओड्रा नृत्य' से लिया गया है।
- यह मुख्य रूप से ‘महारों’ द्वारा प्रचलित था तथा जैन राजा खारवेल द्वारा संरचित था। इस क्षेत्र में वैष्णववाद के आगमन के साथ, महारी प्रणाली अयोग्य हो गई। इसके बजाय, युवा लड़कों को भर्ती किया गया और कला के रूप को जारी रखने के लिए महिलाओं के रूप में कपड़े पहने। उन्हें 'गोटीपुआ' के नाम से जाना जाने लगा। इस कला का एक और प्रकार, 'नर्तला' शाही दरबारों में प्रचलित रहा।
- ओडिसी की कुछ विशेषताएं हैं:
    - यह भावनाओं को व्यक्त करने के लिए मुद्रा और मुद्राओं के उपयोग में भरतनाट्यम के समान है।
    - 'त्रिभंगा' और 'चौक' दो मूल मुद्राएँ हैं।
    - नृत्य के दौरान, निचला शरीर काफी हद तक स्थिर रहता है और धड़ की गति होती है। हाथ के इशारे नृत्य भाग के दौरान भाव व्यक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
    - गरिमा, कामुकता और सुंदरता का प्रतिनिधित्व करते हुए ओडिसी नृत्य शैली अद्वितीय है।
    - नर्तक उसके शरीर के साथ जटिल ज्यामितीय आकार और पैटर्न बनाते हैं। इसलिए, इसे 'गतिशील मूर्तिकला' के रूप में जाना जाता है।

Q.10) कठपुतली के निम्नलिखित रूपों पर विचार करें:

1. यमपुरी (Yampuri)
2. थोलपावकुथु (Tholpavakoothu)
3. रावण छाया (Ravanachaya)
4. पुतुल नाच (Putul Nauch)
5. तोगलु गोमबेयेट्टा

भारत में निम्नलिखित में से कौन छाया कठपुतली (shadow puppetry) के प्रकार हैं?

a) केवल 1, 2 और 5
b) केवल 2, 3 और 5
c) केवल 1, 3 और 4
d) केवल 2, 3, 4 और 5

Q.10) Solution (b)

विभिन्न कठपुतली रूप:

स्ट्रिंग कठपुतली (String Puppetry)	**छाया कठपुतली (Shadow Puppetry)**
गोम्बियट्टा (कर्नाटक)	**तोगलू गोम्बियट्टा (कर्नाटक)**

बोम्मलट्टम (तमिलनाडु)	**थोलू बोम्मलता (आंध्र प्रदेश)**
कठपुतली (राजस्थान)	**थोलपावकुथु (केरल)**
कुंधई (ओडिशा)	**रावण छाया (ओडिशा)**
रॉड कठपुतली (Rod Puppetry)	**दस्ताना कठपुतली (Glove Puppetry)**
पुतुल नाच (पश्चिम बंगाल)	पावाकुथु (केरल)
यमपुरी (बिहार)	

Q.11) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

लोक कला	धरोहर
1. कलमकारी	तमिलनाडु

2. ग्रामिया कलाई (Gramiya Kalai)	आंध्र प्रदेश
3. ऐपन (Aipan)	उत्तराखंड

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 2

Q.11) Solution (b)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
असत्य	**असत्य**	**सत्य**
कलमकारी आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में प्राकृतिक रंगों का उपयोग करते हुए, इमली की कलम से सूती या रेशमी कपड़े पर की जाने वाली हाथ की पेंटिंग है।	ग्रामिया कलाई तमिलनाडु की एक लोक कला है।	ऐपन (Aipan) कुमाऊँ, उत्तराखंड की पारंपरिक कला (चित्रकला रूप) में से एक है। इसका बड़ा सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है।

Q.12) भारत के निम्नलिखित मार्शल आर्ट को उत्पत्ति स्थान के साथ मिलान करें:

1. कलारिपयाट्टू (Kalaripayattu)	तमिलनाडु
2. सिलम्बम (Silambam)	केरल
3. चेबी गद-गा (Cheibi Gad-ga)	बिहार
4. परि-खंड (Pari-Khanda)	मणिपुर

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) 1 – A ; 2 – B ; 3 – C ; 4 – D
b) 1 – A ; 2 – B ; 3 – D ; 4 – C
c) 1 – B ; 2 – A ; 3 – C ; 4 – D

d) 1 – B ; 2 – A ; 3 – D ; 4 – C

Q.12) Solution (d)

कलारीपयट्टु, **Kerala**	सिलंबम, **Tamil Nadu**
चेबी गद-गा, **Manipur**	परि-खंड, **Bihar**

- कलारीपयट्टु को केवल कलारी के नाम से भी जाना जाता है, एक भारतीय मार्शल आर्ट और युद्ध शैली है, जिसकी उत्पत्ति आधुनिक केरल में हुई थी।
- सिलंबम एक हथियार आधारित भारतीय मार्शल आर्ट है जो भारतीय उपमहाद्वीप में आधुनिक तमिलनाडु में उत्पन्न हुई है और लगभग 1000 ईसा पूर्व में उत्पन्न होने का अनुमान है। इस प्राचीन युद्ध शैली का उल्लेख तमिल संगम साहित्य 400 ई.पू मिलता है .
- मणिपुर की सबसे प्राचीन मार्शल आर्ट में से एक, चेबी गद-गा में तलवार और ढाल का उपयोग करके लड़ाई करना शामिल है। इसे अब एक तलवार और चमड़े की ढाल के स्थान पर नरम चमड़े में संलग्न छड़ी के लिए संशोधित किया गया है।
- राजपूतों द्वारा बनाया गया परि-खंड, बिहार में मार्शल आर्ट का एक रूप है। इसमें तलवार और ढाल का इस्तेमाल करके लड़ाई करना शामिल है। अभी भी बिहार के कई हिस्सों में प्रचलित है, छऊ नृत्य में इसके चरणों और तकनीकों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। वास्तव में यह मार्शल आर्ट छऊ नृत्य का आधार है जिसमें इसके सभी तत्व अवशोषित होते हैं। इस मार्शल आर्ट के नाम में दो शब्द हैं, 'परि' जिसका अर्थ है ढाल जबकि 'खंड' तलवार को संदर्भित करता है, इस प्रकार इस कला में तलवार और ढाल दोनों का उपयोग होता है।
- सही मिलान कलारीपयट्टू (केरल) है; सिलंबम (तमिलनाडु); चेबी गाद-गा (मणिपुर); परि-खंड (बिहार)।

Q.13) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

लोक नृत्य	**धरोहर**

1. काकसर (Kaksar)	ओडिशा
2. रास	गुजरात
3. कोली	महाराष्ट्र

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 3
d) इनमें से कोई नहीं

Q.13) Solution (a)

- भारत में लोक नृत्य उस समुदाय की संस्कृति और परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हैं जहां से यह उत्पन्न हुआ था।
- लोक नृत्य आमतौर पर संबंधित समुदाय के उत्सव के दौरान किए जाते हैं- प्रसव, त्योहार, विवाह आदि।

युग्म 1	**युग्म 2**	**युग्म 3**
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
काक्सर लोक नृत्य: यह छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में अबूझमरिया जनजाति द्वारा किया जाता है, ताकि देवता का आशीर्वाद प्राप्त किया जा सके तथा एक समृद्ध फसल का आनंद लिया जा सके। यह नर्तकियों को एक ही नृत्य मंडली से अपने जीवन साथी चुनने की अनुमति देता है।	रास, डांडिया रास के रूप में लोकप्रिय गुजरात के सबसे लोकप्रिय लोक नृत्यों में से एक है। कृषि गतिविधियों से जुड़े, इसे किसानों का व्यावसायिक नृत्य कहा जा सकता है। डांडिया रास अपना नाम डांडिया से लेता है, लकड़ी की एक जोड़ी, जिससे समय चिह्नित किया जाता था।	कोली महाराष्ट्र के सबसे लोकप्रिय नृत्य रूपों में से एक है जो महाराष्ट्र के मछुआरे लोग - कोली से अपना नाम प्राप्त करता है। ये मछुआरे अपनी अलग पहचान और जीवंत नृत्य के लिए प्रसिद्ध हैं। उनके नृत्यों में उनके व्यवसाय के तत्व शामिल हैं जो मछली पकड़ रहे हैं।

Q.14) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

उत्तर पूर्व के त्यौहार	जनजातीय समूह
1. म्योको (Myoko)	मिश्मी
2. वांग्ला (Wangala)	गारो
3. मोत्सु मोंग (Moatsu Mong)	रेंगमा

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.14) Solution (b)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
अपातानी गांवों में निवास करने वाले कई जनजातियों द्वारा म्योको उत्सव मनाया जाता है। यह इन गांवों के बीच एकजुटता और मित्रता की भावना को बनाए रखने के बारे में है। म्योको त्योहार आठ अपातानी ग्रामीणों द्वारा एक रोटेशन आधार पर मनाया जाता है।	प्रमुख गारो जनजाति मुख्य रूप से मेघालय में वांगला उत्सव मनाती है। त्योहार सर्दियों की शुरुआत को इंगित करता है और फसल के बाद के मौसम के लिए एक संकेत के रूप में मनाया जाता है।	नागालैंड में **एओ जनजाति (Ao tribe)** के मोत्सु मोंग त्योहार बुवाई के मौसम के पूरा होने का प्रतीक है। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम है जो प्रत्येक वर्ष 1 मई से 3 मई तक मनाया जाता है। मोत्सु मोंग एक बहुत ही रंगीन उत्सव है और समृद्ध नागा संस्कृति का भी प्रतीक है।

Q.15) रानी-की-वाव के बारे में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

1. यह रानी उदयमति द्वारा निर्मित एक महल है जो सोलंकी राजवंश के राजा भीमदेव प्रथम के स्मारक के रूप में है।
2. यह एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है, जो सरस्वती के तट पर, पाटन, गुजरात में स्थित है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.15) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
रानी-की-वाव को रानी उदयमति द्वारा सोलंकी राजवंश के राजा भीमदेव प्रथम के स्मारक के रूप में बनाया गया है। यह 11 वीं शताब्दी की **बावड़ी (एक महल नहीं)** है तथा गुजरात में बावड़ी के बेहतरीन उदाहरणों में से एक है। यह सात मंजिला है जिसमें पाँच मौजूद हैं और 800 से अधिक विस्तृत मूर्तियां हैं जो बची हुई हैं।	यह सरस्वती के तट पर, पाटन, गुजरात स्थित है। यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के तहत एक संरक्षित स्मारक है और सांस्कृतिक स्थल पर यूनेस्को की मूर्त विश्व धरोहर स्थलों की सूची में भारत के अंतर्गत सूचीबद्ध है।

Q.16) 'मोहिनीअट्टम' (Mohiniyattam) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसकी उत्पत्ति का पता तमिलनाडु के मंदिरों से लगाता है।
2. यह एक शास्त्रीय एकल नृत्य है, जो केवल महिलाओं द्वारा किया जाता है।
3. यह हल्के चेहरे के भावों के साथ हाथ के इशारों और मुखाभिनय पर जोर देता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 3
d) 1, 2 और 3

Q.16) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	असत्य	सत्य
मोहिनीअट्टम का शाब्दिक अर्थ हिंदू पौराणिक कथाओं के आकाशीय जादू 'मोहिनी' के नृत्य के रूप में है। एक पुराण कथा के अनुसार, भगवान विष्णु ने समुद्र के मंथन और भस्मासुर के वध के प्रकरण के संबंध में, असुरों को लुभाने के लिए एक 'मोहिनी' का भेष धारण किया था। केरल के मंदिरों से इसकी उत्पत्ति का पता चलता है।	यह केरल का शास्त्रीय एकल नृत्य रूप है, जो पुरुष और महिला दोनों द्वारा किया जाता है। महिला मंदिर नर्तकियों के एक समुदाय के अस्तित्व को साबित करने के साक्ष्य हैं, जिन्होंने मंदिर के पुजारियों द्वारा मंत्रों के साथ अभिव्यक्त इशारों को जोड़कर मंदिर के अनुष्ठानों की सहायता की।	मोहिनीअट्टम की विशेषता सुंदर, बिना किसी झटके या अचानक छलांग के साथ शरीर की गतिविधियों का संचालन है। यह लास्य शैली का है जो स्त्रीलिंग, कोमल और सुडौल है। पैर की क्रिया थकाऊ नहीं है और धीरे से प्रस्तुत किया जाता है। सूक्ष्म चेहरे के भावों के साथ हाथ के इशारों और मुखाग्नि

		को महत्व दिया जाता है।

- मोहिनीअट्टम नृत्य की अन्य मुख्य विशेषताएं हैं
  - समुद्र के लहरों और नारियल, ताड़ के पेड़ और धान के खेतों की लहरों की तरह संचलनों तथा ऊपर और नीचे संचलन द्वारा जोर दिया जाता है।
  - नांगियार कुथु और महिला लोक नृत्यों काकोट्टिकाली और तिरुवतिराकली से संचलनों का उधार लिया गया है।
  - मोहिनीअट्टम अभिनय पर जोर देता है। नर्तक पदम और पाद वर्णम जैसी रचनाओं में मौजूद चरित्र और भावनाओं से स्वयं को पहचानता है जो चेहरे के भावों के लिए पर्याप्त अवसर देते हैं।

Q.17) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

शिल्प	धरोहर
1. तवलोह्लपुआन (Tawlhlohpuan)	मेघालय
2. अरनमुला कन्नडी (Aranmula kannadi)	कर्नाटक
3. कंडांगी साड़ी (Kandangi Sarees)	केरल

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.17) Solution (d)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
असत्य	**असत्य**	**असत्य**
तवलोह्लपुआन मिज़ोरम से भारी, कॉम्पैक्ट रूप से बुने हुए, अच्छी गुणवत्ता वाले कपड़े के लिए एक माध्यम है तथा इसे हाथ से बनाए जाने वाले ताना, बुनाई, कताई और जटिल डिजाइन के लिए जाना जाता है।	अरनमुला कन्नडी, (अरनमुला दर्पण) एक हस्तनिर्मित धातु-मिश्र धातु दर्पण है, जिसे केरल के पठानमथिट्टा के एक छोटे से शहर अरनमुला में बनाया गया है।	कंडांगी साड़ी हस्तनिर्मित सूती साड़ी हैं जो तमिलनाडु में निर्मित होती हैं।

Q.18) इस जनजातीय कला की उत्पत्ति पश्चिमी घाटों से हुई है, जिसमें मुख्य रूप से कई आकृति बनाने, मछली पकड़ने, शिकार, त्योहारों, नृत्य और बहुत अन्य जैसी दैनिक जीवन की गतिविधियों को चित्रित करने के लिए वृत्त, त्रिकोण और वर्गों का उपयोग किया जाता है। वह जो इसे दूसरों से अलग करता है, वह मानव आकृति: एक वृत्त और दो त्रिकोण है। उपरोक्त गद्यांश निम्नलिखित कला रूपों में से किसका वर्णन करता है?

a) फाड़ चित्रकला
b) सौरा चित्रकला
c) पिथौरा चित्रकला
d) वर्ली चित्रकला

Q.18) Solution (d)

- वर्ली चित्रकला: चित्रकला का नाम उन लोगों से लिया गया है, जो पेंटिंग परंपरा को आगे बढ़ाते रहे हैं जो 2500-3000 ईसा पूर्व तक जाती है।
- उन्हें वर्ली कहा जाता है, स्वदेशी लोग जो मुख्य रूप से गुजरात-महाराष्ट्र सीमा पर रहते हैं। इन चित्रों में मध्यप्रदेश के भीमबेटका के भित्ति चित्रों से घनिष्ठ समानता है, जो पूर्व-ऐतिहासिक काल की है।
- इन कर्मकांडों के चित्रों में एक चौका या चौक का मुख्य रूप है, जो मछली पकड़ने, शिकार, खेती, नृत्य, जानवरों, पेड़ों और त्योहारों को चित्रित करने वाले दृश्यों से घिरा हुआ है।
- परंपरागत रूप से, चित्रों को बहुत मूल ग्राफिक शब्दावली का उपयोग करके दीवारों पर किया जाता है, जिसमें एक त्रिकोण, एक चक्र और एक वर्ग शामिल होता है।
- ये आकृतियाँ प्रकृति से प्रेरित हैं, अर्थात् सूर्य या चंद्रमा से वृत्त, शंक्वाकार आकार के पेड़ों या पहाड़ों से त्रिकोण और पवित्र बाड़े या भूमि के टुकड़े से वर्ग बनाये जाते हैं, एक मानव या जानवर का प्रतिनिधित्व करने के लिए, दो त्रिकोण टिप में शामिल होते हैं, उनके सिर की तरह काम करने वाले मंडलियों के साथ।

- आधार मिट्टी, शाखाओं और गोबर के मिश्रण से बना है जो इसे एक लाल गेरुआ रंग देता है। पेंटिंग के लिए केवल सफेद रंगद्रव्य का उपयोग किया जाता है, जो गोंद और चावल पाउडर के मिश्रण से बना होता है।

Q.19) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

पारंपरिक कढ़ाई (*Embroidary Traditions*)	**राज्य**
1. कशीदा (Kashida)	कश्मीरी
2. कसुटी (Kasuti)	कर्नाटक
3. कलाबट्टू (Kalabattu)	उत्तर प्रदेश

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.19) Solution (d)

युग्म 1	**युग्म 2**	**युग्म 3**
सत्य	**सत्य**	**सत्य**

कशीदा एक लोकप्रिय कश्मीरी सुई कार्य तकनीक है, जो पारंपरिक रूप से कपड़ों पर काम में लाई जाती है जैसे कि स्टोल, ऊनी तीतर और रग। 	कसुटी भारत के कर्नाटक राज्य में प्रचलित लोक कढ़ाई का एक पारंपरिक रूप है। कसुटी काम जो बहुत जटिल है कभी-कभी हाथ से 5,000 टांके लगाना शामिल होता है और पारंपरिक रूप से इल्कल साड़ियों की तरह पोशाक पर बनाया जाता है। 	जरदोजी या जरी या कलाबट्टू धातु के तारों में की जाने वाली कढ़ाई का काम है। वाराणसी, लखनऊ, सूरत, अजमेर, भोपाल और हैदराबाद ज़री के काम के लिए महत्वपूर्ण केंद्र हैं। इस काम में, धातु की सिल्लियों को पिघलाया जाता है और छिद्रित स्टील शीट के माध्यम से दबाया जाता है।

Q.20) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

यूनेस्को के रचनात्मक शहरों के नेटवर्क	रचनात्मक क्षेत्र
1. जयपुर	शिल्प और लोक कला
2. हैदराबाद	फिल्में
3. चेन्नई	मीडिया कला
4. मुंबई	डिज़ाइन
5. वाराणसी	संगीत

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1, 2 और 3
b) केवल 3, 4, और 5
c) केवल 1 और 5
d) केवल 1, 2, 4 और 5

Q.20) Solution (c)

- 2004 में बनाया गया यूनेस्को का रचनात्मक शहरों का नेटवर्क (UCCN) का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर अपनी विकास योजनाओं के केंद्र में रचनात्मकता और सांस्कृतिक उद्योगों को रखने तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय रूप से सहयोग करने और अभिनव सोच और कार्रवाई के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने का एक आम उद्देश्य है। ।

- नेटवर्क में सात रचनात्मक क्षेत्र शामिल हैं: शिल्प और लोक कला, मीडिया कला, फिल्म, डिजाइन, गैस्ट्रोनॉमी (पाक कला), साहित्य और संगीत।
- यूनेस्को के रचनात्मक शहरों के नेटवर्क में भारतीय शहर हैं
    - मुंबई (फिल्म्स क्रिएटिव)
    - हैदराबाद (गैस्ट्रोनॉमी)
    - चेन्नई और वाराणसी (संगीत)
    - जयपुर (शिल्प और लोक कला)

Q.21) ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है।
2. इसने एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (EESL) के साथ मिलकर राज्य ऊर्जा दक्षता सूचकांक विकसित किया है।
3. यह स्मार्ट मीटर राष्ट्रीय कार्यक्रम का कार्यान्वयन निकाय है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.21) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	असत्य
ऊर्जा मंत्रालय के तहत ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 के प्रावधानों के तहत ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE) एक वैधानिक निकाय है।	राज्य ऊर्जा दक्षता सूचकांक 97 महत्वपूर्ण संकेतकों के आधार पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ऊर्जा दक्षता (ईई) पहल की प्रगति को ट्रैक करता है। सूचकांक को ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE) द्वारा एलायंस फॉर एनर्जी एफिशिएंट इकोनॉमी (AEEE) के सहयोग से विकसित किया गया है।	स्मार्ट मीटर राष्ट्रीय कार्यक्रम को देश भर में स्मार्ट मीटरों को लागू करने के लिए लागू किया जा रहा है। यह योजना ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड (ईईएसएल) द्वारा लागू की जा रही है, जो बिजली मंत्रालय के तहत सार्वजनिक उपक्रमों के एक सयुक्त उद्यम (JV) है।

Q.22) अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) के बारे में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है / हैं?

1. यह अंतरराष्ट्रीय शिपिंग की रक्षा, सुरक्षा और पर्यावरण प्रदर्शन के लिए वैश्विक मानक-सेटिंग प्राधिकरण है।
2. यह यूनाइटेड किंगडम में अपना मुख्यालय रखने वाली एकमात्र संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी है।
3. IMO के उपाय दोनों, दुर्घटनात्मक और परिचालन तेल प्रदूषण को कवर करते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1
b) केवल 2
c) केवल 3
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.22) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	सत्य
अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग की रक्षा, सुरक्षा और पर्यावरण प्रदर्शन के लिए वैश्विक मानक-सेटिंग प्राधिकरण है। इसकी मुख्य भूमिका शिपिंग उद्योग के लिए एक नियामक ढांचा तैयार करना है जो निष्पक्ष और प्रभावी, सार्वभौमिक रूप से अपनाया तथा सार्वभौमिक रूप से लागू हो।	IMO का उद्देश्य समुद्री सुरक्षा में सुधार और समुद्री प्रदूषण की रोकथाम है। यह संयुक्त राष्ट्र की एकमात्र विशेष एजेंसी है जिसका मुख्यालय यूनाइटेड किंगडम, लंदन में है। यह पहला अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो विशेष रूप से समुद्री मामलों के लिए समर्पित है।	आईएमओ उपाय जहाज डिजाइन, निर्माण, उपकरण, मैनिंग, संचालन और निपटान सहित अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग के सभी पहलुओं को कवर करते हैं। इसमें विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों के साथ-साथ रसायनों, पैक रूप में सामान, सीवेज, कचरा और वायु प्रदूषण के साथ दुर्घटनात्मक और परिचालन तेल प्रदूषण शामिल है।

Q.23) हाल ही में समाचारों में देखा गया, 'बायोरॉक या खनिज अभिवृद्धि प्रौद्योगिकी' (biorock or mineral accretion technology) निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

a) प्रवाल-भित्ति पुन:स्थापन
b) कार्बन संग्रहण और भंडारण
c) धात्विक नोड्यूल्स का जैव खनन
d) प्रदूषित पानी का शुद्धिकरण

Q.23) Solution (a)

- जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (ZSI), गुजरात के वन विभाग की मदद से, पहली बार कच्छ की खाड़ी में बायोरॉक या खनिज अभिवृद्धि तकनीक का उपयोग कर प्रवाल भित्तियों को पुनर्स्थापित करने की प्रक्रिया का प्रयास कर रहा है।
- बायोरॉक स्टील संरचनाओं पर समुद्र के पानी में घुलने वाले खनिजों के विद्युत संचय से बने पदार्थ को दिया गया नाम है, जो समुद्र के तल पर उतारा जाता है और एक शक्ति स्रोत से जुड़ा होता है, इस मामले में सौर पैनल जो सतह पर तैरते हैं।
- टूटे हुए प्रवाल के टुकड़े बायोरॉक संरचना से बंधे होते हैं, जहां वे अपनी वास्तविक वृद्धि की तुलना में कम से कम चार से छह गुना तेजी से बढ़ने में सक्षम होते हैं क्योंकि उन्हें अपने स्वयं के कैल्शियम कार्बोनेट कंकाल के निर्माण में अपनी ऊर्जा व्यय करने की आवश्यकता नहीं होती है।

Q.24) 'साइबर सुरक्षित महिला' पहल, निम्नलिखित में से किस सरकार द्वारा शुरू की गई है?

a) उत्तर प्रदेश
b) केरल
c) महाराष्ट्र
d) दिल्ली

Q.24) Solution (c)

- महाराष्ट्र सरकार ने 'साइबर सुरक्षित महिला' पहल शुरू की, जिसके तहत राज्य के सभी जिलों में जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे।

Q.25) नीलवेम्बुकुडीने (Nilavembukudinee) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह सभी प्रकार के वायरल संक्रमण / बुखार से बचाव और प्रबंधन के लिए अनुशंसित एक आयुर्वेद दवा है।
2. यह प्रतिरक्षा उत्तेजक (immunostimulant) और प्रतिरक्षा आपरिवर्तक (immunomodulator) के रूप में कार्य करता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.25) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
नीलवेम्बुकुडीने (Nilavembukudineer) सभी प्रकार के वायरल संक्रमण / बुखार से बचाव और प्रबंधन के लिए अनुशंसित **सिद्धा औषधि** है। यह बुखार से जुड़े लक्षणों को कम करता है, जिसमें शामिल हैं - एक सिरदर्द, शरीर में दर्द, मांसपेशियों में दर्द, ऊर्जा की हानि, थकान, कमजोरी आदि। यह जोड़ों के दर्द, जोड़ों की सूजन, मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द और चिकनगुनिया संक्रमण से संबंधित चकत्ते को कम करने के लिए भी प्रभावी है। ।	यह इम्युनोस्टिमुलेंट और इम्युनोमोड्यूलेटर के रूप में कार्य करता है, जो प्रतिरक्षा को बढ़ाता है और शरीर में रक्षा प्रतिक्रिया को नियंत्रित करता है। इसमें हर्बल तत्व होते हैं, जिनमें एंटीपीयरेटिक, एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीवायरल और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी क्रियाएं होती हैं।

Q.26) 'वैश्विक शरणार्थी मंच' (Global Refugee Forum) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. पहली बार वैश्विक शरणार्थी मंच जिनेवा, स्विट्जरलैंड में आयोजित किया गया था।
2. इसे कोस्टा रिका, इथियोपिया, जर्मनी और तुर्की की सरकारों ने शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त (UNHCR) के साथ मिलकर आयोजित किया था।

सही कथनों का चयन करें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.26) Solution (c)

पहली बार वैश्विक शरणार्थी मंच स्विट्जरलैंड के जिनेवा में 17-18 दिसंबर 2019 तक हुआ।

इस कार्यक्रम का आयोजन कोस्टा रिका, इथियोपिया, जर्मनी, पाकिस्तान और तुर्की की सरकारों ने संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त के शरणार्थियों (UNHCR) के साथ मिलकर किया था। इसमें स्विट्जरलैंड की सरकार द्वारा सह-मेजबानी की गई थी।

अगला वैश्विक शरणार्थी मंच 2023 में होगा, जिसमें 2021 में मध्यावधि समीक्षा बैठक होगी।

Q.27) 'कार्बोरंडम' (Carborundum) के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. यह एक अर्धचालक है
2. यह खगोलीय दूरबीनों के लिए एक वांछनीय दर्पण सामग्री है।
3. इसका उपयोग ग्राफीन के उत्पादन में किया जा सकता है।

सही कथनों का चयन करें

a) 1 और 2
b) केवल 3
c) 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.27) Solution (d)

सिलिकॉन कार्बाइड (SiC), जिसे कार्बोरंडम के रूप में भी जाना जाता है, एक अर्धचालक है जिसमें सिलिकॉन और कार्बन होते हैं। यह प्रकृति में अत्यंत दुर्लभ खनिज moissanite के रूप में होता है।

कम तापीय विस्तार गुणांक, उच्च कठोरता, भंगुरता और तापीय चालकता सिलिकॉन कार्बाइड को खगोलीय दूरबीनों के लिए वांछनीय दर्पण सामग्री बनाते हैं।

सिलिकॉन कार्बाइड का उपयोग ग्राफीन के उत्पादन में किया जा सकता है क्योंकि इसके रासायनिक गुण हैं जो SiC नैनोस्ट्रक्चर की सतह पर ग्राफीन के उत्पादन को बढ़ावा देते हैं।

Q.28) 'यारबुब्बा क्रेटर' (Yarrabubba crater) हाल ही में समाचारों में था। यह कहाँ स्थित है?

a) ऑस्ट्रेलिया
b) मेक्सिको
c) मंगोलिया
d) पुर्तगाल

Q.28) Solution (a)

यारूबुबा क्रेटर एक प्रभाव संरचना (impact structure) है, जो पूर्व प्रभाव क्रेटर का प्रस्फुटित अवशेष है, जो सैंडब्रस्टोन और मेकाथरा, मिड वेस्ट वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शहरों के बीच यरबूब्बा स्टेशन के पास उत्तरी यिलगारन क्रेटन में स्थित है। यह पृथ्वी की सबसे पुरानी ज्ञात प्रभाव संरचना है।

Q.29) 'राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (NIP)' के तहत, निम्नलिखित में से किस सेक्टर को अधिकतम आवंटन प्राप्त हुआ है?

a) नवीकरणीय ऊर्जा
b) शहरी और आवास
c) रेलवे
d) सड़कें

Q.29) Solution (d)

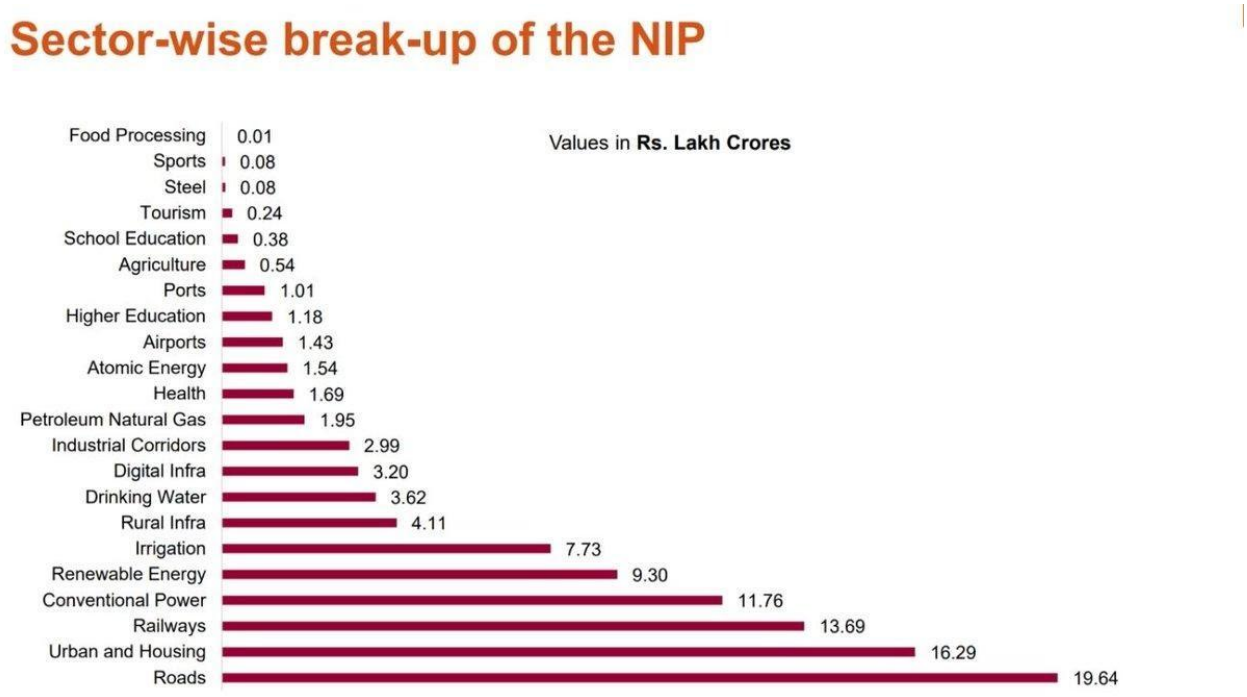

नोट - ऊर्जा (सभी शामिल) 24% है।

Q.30) 'नई और उभरती हुई सामरिक प्रौद्योगिकियां (New and Emerging Strategic Technologies -NEST) किसके तत्वावधान में है

a) विदेश मंत्रालय
b) वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
c) विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
d) प्रधान मंत्री विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद

Q.30) Solution (a)

विदेश मंत्रालय ने नई और उभरती हुई सामरिक प्रौद्योगिकियां (एनईएसटी) प्रभाग की स्थापना की घोषणा की। यह नई और उभरती प्रौद्योगिकियों से संबंधित मुद्दों पर ध्यान देगा तथा 5G और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में विदेशी भागीदारों के साथ सहयोग करने में मदद करेगा जो भारत के सुरक्षा लक्ष्यों के अनुरूप हैं।

इसका जनादेश शामिल होगा, लेकिन घरेलू हितधारकों के साथ समन्वय में और भारत की विकासात्मक प्राथमिकताओं और राष्ट्रीय सुरक्षा लक्ष्यों के अनुरूप भारत की बाहरी प्रौद्योगिकी नीति को विकसित करने तक सीमित नहीं होगा। यह विदेशी नीति तथा नई और उभरती प्रौद्योगिकियों और प्रौद्योगिकी-आधारित संसाधनों के अंतर्राष्ट्रीय कानूनी निहितार्थों का आकलन करने और उचित विदेश नीति विकल्प की सिफारिश करने में भी मदद करेगा।